



# ‘IMPRESSIONS’

A Children Workshop  
At  
**The World of Rock Art Exhibition**  
Avritti Bhavan,  
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya  
Shyamla Hills, Bhopal (Madhya Pradesh)  
(17<sup>th</sup> & 18<sup>th</sup> February, 2017)



**INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS**  
New Delhi





# A Children Workshop On The World of Rock Art Exhibition

At  
Avritti Bhavan, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sanghralhalaya  
Shyamla Hills, Bhopal (Madhya Pradesh)  
(17<sup>th</sup> & 18<sup>th</sup> February, 2017)

## A Report

On the eve of '*The World of Rock Art Exhibition*' at Avritti Bhavan, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sanghralhalaya (IGRMS), Bhopal, two special workshops for school & college students titled '*Impressions*' were organized on 17<sup>th</sup> & 18<sup>th</sup> February, 2017 respectively. Students from different schools and colleges of Bhopal and its surrounding areas actively participated in these workshops. In these two days painting workshops more than 300 students from various schools and colleges namely Government Gitanjali College, Government MLB College, Government Arts and Commerce College, Jagran Lake city University and students of Parvarish the Museum School actively participated.

During these two days children workshops students observed the rock art of five continents displayed in the exhibition gallery and painted as per their choice of region or area. The participating students said, "through this exhibition and the workshop they learnt that the rock paintings were based on inspiration taken from day-to-day life. They present life through thousands of years. The images displayed in this exhibition are primarily dance, music, hunting, horse riders, elephants and decorated ornaments. Besides, they have painted animals like tiger, lions, wild boar, dogs etc. which make this art form incredible".

After the workshop, all the students were issued a participating certificate for their active participation and some of the best paintings were selected for display in the exhibition gallery. All the students highly appreciated these painting workshops and showed great interest in the exhibition. The participating students from Parvarish, the Museum School, Bhopal said that the children's workshop was an interesting concept for them as through this workshop they get to learn about the past through rock paintings and at the same time be at their creative best by drawing the paintings displayed in the galleries. For instance, Anjali Dadoriya a student from Govt. Geetanjali Girls College, Bhopal, said *"through this workshop she and her friends learnt not only about the rock art of Madhya Pradesh but a lot about the rock art of India also"*. The students and teachers from Government MLB College emphasized that more such exhibitions should be held across the state as it helps them in understanding the past better.



School Children at the Gallery



## **Students of different schools at their creative best**



## Distribution of certificates



Dr. Malla and Dr. Rahman Ali distributing certificates after the children workshop



## Paintings made by students at the workshop



Aarti Sharma, Parvarish, The Museum School, Bhopal



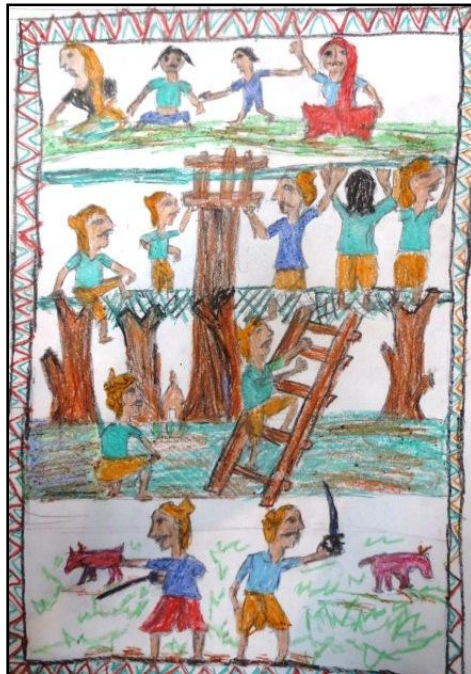
Khushnoor Ahmed, Govt. MLB College, Bhopal



Swapnil Dehariya, Navin Govt. College, Bhopal



Pinky Goyal, Parvarish, The Museum School, Bhopal



Pinky Mandvi, Govt. MLB College, Bhopal

सब कदमों का समर्थन और सहयोग

**राज एक्सप्रेस**

**महानगर**

रविवार 19 फरवरी 2017

## लाल, गेरुआ और सफेद रंग से बनी शैल कला



**भोपाल।** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में संग्रहालय में लगाई गई प्रदर्शनी 'विश्व की शैल कला' की शनिवार को शहर के कॉलेज के स्टूडेंट्स ने विजिट की। विजिट के दौरान भोपाल के शा. गीतांजलि कन्या महाविद्यालय, शा. नवीन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, शा. एमएलबी कन्या महाविद्यालय, जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी एवं संग्रहालय स्कूल के डेढ़ सौ विद्यार्थियों ने शैल चित्रकला पर अपने कोर्स वर्क के अंतर्गत कार्यशाला में शिरकत की।

**मानव  
संग्रहालय में  
विद्यार्थियों ने  
किया शैल  
कला का  
भ्रमण**



## विश्व की शैल कला पर कार्यशाला संपन्न



**भोपाल, देशबन्धु।** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वधान में लगाई गई प्रदर्शनी 'विश्व की शैल कला' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भोपाल के शासकीय गीतांजलि कन्या महाविद्यालय, शा. नवीन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, शासकीय एम.एल.बी कन्या महाविद्यालय, जागरण लेक् सिटी विश्व विद्यालय एवं संग्रहालय स्कूल के 150 छात्र-छात्राओं ने शैलचित्रकला पर अपने पाठ्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला में प्रतिभागिता की।

इस दौरान उन्होंने मानव संग्रहालय लगे विभिन्न महाद्वीपों में पाए गए शैलचित्रों की प्रदर्शनी को देखकर चित्रांकन किया। विद्यार्थियों ने कहा कि इस प्रदर्शनी एवं

कार्यशाला के माध्यम से हमने सीखा इन शैलचित्रों में दैनिक जीवन की घटनाओं से लिए गए विषय अंकित हैं। ये हजारों वर्ष पहले का जीवन दर्शाते हैं। इस प्रदर्शनी में दिखाए गए चित्र मुख्यतः नृत्य, संगीत, आखेट, घोड़ों और हाथियों की सवारी, आभूषणों को सजाने के बारे में हैं। इनके अलावा बाघ, सिंह जंगली सुअर, हाथियों, कुत्तों और घड़ियालों जैसे जानवरों को भी इन तस्वीरों में चित्रित किया गया है जो कि अविश्वसनीय है। प्रख्यात इतिहासकार एवं शैलचित्र विशेषज्ञ, प्रो रहमान अली एवं डॉ. बी.एल. मल्ला ने विद्यार्थियों को शैलचित्र इतिहास के कालखंडों के रहस्यों के बारे में बताते हुए कहा कि ये शैलचित्र प्राचीन शैली के गवाह हैं, इतिहास के जानकारी शैलचित्रों के आरंभ को ईसा पूर्व से ही जोड़ते हैं।

Sunday February 19, 2017

कार्यशाला

राष्ट्रीय इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में 150 विद्यार्थियों ने...

## विभिन्न महाद्वीपों के शैलचित्रों की प्रदर्शनी का चित्रांकन किया

भोपाल (कन्नड)।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला भवन, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वधान में लगाई गई प्रदर्शनी 'विश्व की शैल कला' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भोपाल के शा. गीतांजलि कन्या महाविद्यालय, शा. नवीन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, शा. एम.एल.वी कन्या महाविद्यालय, जागरण लेक सिटी युनिवर्सिटी एवं संग्रहालय स्कूल के 150 छात्र-छात्राओं ने शैलचित्रकला पर अपने कोर्स वर्क के अंतर्गत कार्यशाला में प्रतिभागिता की। उन्होंने इस दौरान मानव संग्रहालय लगे विभिन्न महाद्वीपों में पाए गए शैलचित्रों की प्रदर्शनी को देखकर चित्रांकन किया। विद्यार्थियों ने कहा कि "इस प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के माध्यम



से हमने सीखा इन शैलचित्रों में दैनिक जीवन की घटनाओं से लिए गए विषय अंकित हैं। ये हजारों वर्ष पहले का जीवन दर्शाते हैं। इस प्रदर्शनी में दिखाए गए

चित्र मुख्यतः नृत्य, संगीत, आखेट, घोड़ों और हाथियों की सवारी, आभूषणों को सजाने के बारे में हैं। इनके अलावा बाघ, सिंह जंगली सुअर, हाथियों, कुत्तों

और घड़ियालों जैसे जानवरों को भी इन तस्वीरों में चित्रित किया गया है जो कि अविश्वसनीय हैं। प्रख्यात इतिहासकार एवं शैलचित्र विशेषज्ञ, प्रो. रहमान अली एवं डॉ. बी.एल. मल्ल ने विद्यार्थियों को शैलचित्र इतिहास के कालखंडों के रहस्यों के बारे में बताते हुए कहा कि "ये शैलचित्र प्राचीन शैली के गवाह हैं, इतिहास के जानकार शैलचित्रों के आरंभ को ईसा पूर्व से ही जोड़ते हैं। यह देखना आश्चर्यजनक है कि इन पेंटिंग्स में जो रंग भरे गए थे वो कई युगों बाद अभी तक वैसे ही बने हुए हैं। इन पेंटिंग्स में आमतौर पर प्रा.तिक लाल, गेरुआ और सफेद रंगों का प्रयोग किया गया है। भीम बैटका के प्राचीन मानव के संज्ञानात्मक विकास का कालक्रम विश्व के अन्य प्राचीन समानांतर स्थलों से हजारों वर्ष पूर्व हुआ था।



Team Rock Art  
Adi Drishya Department  
Indira Gandhi National Centre for the Arts  
11 Mansingh Road, New Delhi